Indira Gandhi National College,Ladwa

Notice 27-3-2017

It is to inform you that the following duties are assigned herewith for smooth organizations of the Sanskrit seminar to be held on 29-3-2017 at 9.00 a.m. in the college premises.

S.No.	Name of committee	Name of Member	Signature
1	Printing and Purchase of Mementoes etc	Dr.K.L.Chugh (Convener) Dr.Rupesh Gaur Prof.Harneet Kaur	
2	Registration and Certificate	Prof.Sunita Rani (Convener) Dr.Neeru Bala Prof.Shiwani Prof.Anju Sh.Jagdeep Chahal	
3	Hospitality committee	Dr.Madhu Gupta (Convener) Dr.Rajesh Kumar Dr.Mohan Lal Prof. Sukhwinder Singh	
4	Seating arrangement and mike Photographer, Tent, projector	Prof.Ashok Verma (Convener) Dr.Yashpal Singh Prof.Sourab Singla Prof.Rajbir Singh Sh. Naresh Kumar Sh.Raj Kumar	
5	Decoration, Floral Tribute to Goddess Saraswati, lamp etc.	Dr.Suman Siwach (Convener) Prof.Ruchika Prof.Mamta Sh.Rakib	
6	Press and News Drafting Committee	Dr.K.L.Chugh(Convener) Dr.Sadhna Gupta Sh.Ravinder Sharma Sh.Sushil Kumar	

Principal
Indira Gandhi National College,
Principal

प्रेस विज्ञप्ति

30.03.2017

इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा

डवा 30.03.2017: इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा में आज स्कृत विभाग की तरफ से हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के सहयोग से **संस्कृत साहित्य मे पर्यावरण सरंक्षण विषय पर एक–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी** का सफल आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य महोदय डॉ. हरिप्रकाश शर्मा जी ने इस संगोष्ठी में उपस्थित सभी विद्वज्जनों डॉ. सोमेश्वर दत्त, निदेशक, हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला, महामहोपाध्याय प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पूर्व कुलपति सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो. मान सिंह, पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष कु.वि. कुरुक्षेत्र, प्रो. राजेश्वर मिश्र, डीन प्राच्य विद्यासंकाय, कु.वि. कुरुक्षेत्र, प्रो. वीरेन्द्र कुमार अलंकार, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, प्रो.ब्रह्मदेव विद्यालंकार, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, डॉ. पंकज मिश्रा, सेन्ट स्टीफन्स कॉलेज, दिल्ली, डॉ. कामदेव झा, प्राचार्य, डी.ए.वी. कॉलेज, पेहवा,डॉ. राधा कृष्ण नैन, अध्यक्ष, हरियाणा संस्कृत परिषद्, कुरुक्षेत्र, डॉ. आशुतोष अंगीरस, सनातन धर्म महाविद्यालय, अम्बाला कैंट डा०सुमन राजन वरिष्ठ प्राध्यापिका डी०एन०कालेज कुरुक्षेत्र का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया।

प्रो० मान सिंह ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि पर्यावरण की समस्या वैदिक काल में नहीं थी। पर्यावरण शब्द वैदिक साहित्य में उपलब्ध नही होता है। मन्त्रद्रष्टा ऋषि संजग एवं संचेत था तथा उसने भावी पीढी को पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए संदेश दिया। हम भावी पीढियों ने उनके सन्देश को अनसुना कर दिया जिसके कारण पर्यावरण की विकट समस्या उत्पन्न हो गई। इसके निदान के उपाय संस्कृत साहित्य मे यत्र– तत्र भरे पडे है। ज्ञान मार्तण्ड डॉ० अभिराज राजेन्द्रमिश्र ने अपने सम्बोधन में कहा कि व्यष्टि के शुद पर्यावरण से समष्टि के बीच समन्वय स्थापित किया जा सकता है। प्रकृति –पुरुष में समन्वय ही पर्यावरण की चारुतर परिभाषा है। डॉ० हरिप्रकाश शर्मा ने अपने सम्बोधन मे कहा कि ईश्वर–प्रदत प्रत्येक वस्तु का त्याग की भावना से उपभोग करने से पर्यावरण की समस्या से निदान पाया जा सकता हैं। डा०राजेश्वर मिश्र, डॉ० पंकज, डॉ० वीरेन्द्र कुमार ,डॉ. ब्रह्म देव, डा०राधाकृष्ण एव अन्य सभी विदवानो का एक मत था कि जडचेतन में संवदेनशील सम्बन्ध है। सांसारिक उपभोग से उपयोग की संस्कृति की तरफ चलने का संदेश दिया। देश के विभिन्न प्रदेशो के विश्वविधालयो ,कॉलेजो वरिष्ठ विधालयों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। ऐसा प्रतीत होता था कि ज्ञान की लघुकाशी आज इस महाविधालय लाडवा मे उपस्थित हो गई है तथा ज्ञान का दोहन एवं मंथन कर आज की आयोजित संगोष्ठि ने अपने वांछित लक्ष्य को पा लिया है।

संगोष्ठी में निदेशक हरियाणा संस्कृत अकादमी ने विशिष्ठ अतिथि तथा अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ताओं को शाल एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया । डॉ. राजेश कुमार, कॉलेज प्राध्यापक एवं डॉ. आशुतोष आंगीरस, सनातन धर्म कॉलेज, अम्बाला कैंट ने सफल मंच संचालन किया। अंत में प्राचार्य ने इस संगोष्ठी में उपस्थित विद्वज्जनों एवं कॉलेज के शिक्षक एवं गैरशिक्षक कर्मचारियों का हार्दिक धन्यवाद किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह को सम्पूर्णता प्रदान की गई।

प्राचार्य

Principal
Indira Gandhi National C
LADWA Distt. Kurukshe

इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा (कुरुक्षेत्र)

रिपोर्ट 30.03.2017

इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा के संस्कृत विभाग द्वारा एक दिवसीय नेशनल संगोष्ठी का आयोजन हरियाणा संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्त्वाधान में 30.03.2017 को किया गया। संगोष्ठी का विषय 'संस्कृत साहित्य में पर्यावरण संरक्षण' रहा। इस संगोष्ठी में उपस्थित विद्वज्जनों में मुख्यातिथि डॉ. सोमेश्वर दत्त जी, हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला, मुख्य वक्ताओं के रूप में महामहोपाध्याय प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पूर्व कुलपति सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो. मान सिंह, प्रो. राजेश्वर मिश्र कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, डॉ. कामदेव झां, प्राचार्य डी. ए.वी. कॉलेज पेहवा, डॉ. आशुतोष आंगीरस, डॉ. कुसुम दत्ता, डॉ. सुमन राजन वरिष्ठ प्राध्यापिका डी०एन०कॉलेज, कुरुक्षेत्र आदि ने पर्यावरण को स्वच्छ व सुंदर बनाने का संदेश दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरिप्रकाश शर्मा और निदेशक हरियाणा संस्कृत अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सोमेश्वर दत्त द्वारा विशिष्ट अतिथि तथा मुख्य वक्ताओं को शॉल व स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। इस संगोष्ठी में 98 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संगोष्ठी में उपस्थित होने वाले प्रतिभागियों को प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र भी दिए गए।

प्राचार्य
Principal
Indira Gandhi National Colle
LADWA Distt. Kurukshetra

2:02 PM

2:02 PM